एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

प्रथम पत्र : जैन इतिहास, संस्कृति, साहित्य एवं कला

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. श्रमण संस्कृति में तीर्थङ्कर भगवान् ऋषभदेव के योगदान का विवेचन करें।

Discuss the contribution of Lord Teerthankara Rishabhadeva to Shraman Culture.

अथवा / OR

तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ की ऐतिहासिकता का वर्णन करें।

Discuss the Historicity of Teerathankara Parshwanath.

प्र. 2. अहिंसा जैन-जीवन शैली में किस प्रकार व्याप्त है? वर्णन करें।

How Non-violence is pervaded in Jain Life Style. Explain it.

अथवा / OR

जैन परम्परा में पर्यूषण पर्व के महत्त्व पर प्रकाश डालें।

Explain the importance of Paryusana Parva in Jain tradition.

प्र. 3. कला से क्या अभिप्राय है? मध्यप्रदेश एवं उत्तरप्रदेश की स्थापत्यकला (स्तूप, गुफा, मन्दिर) का वर्णन कीजिए।

P.T.O./कृ.पृ.उ.

What do you mean by art? Describe the art of architecture (Stupa, Caves, Temples) of Madhya Pradesh and Uttar Pradesh.

अथवा / OR

जैन मूर्तिकला और चित्रकला में ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक मूल्य पर प्रकाश डालें।

Describe the Historical and cultural importance of the Jain Idol Art and Paintings.

प्र. 4. आगमिक व्याख्या साहित्य का संक्षिप्त परिचय लिखें।

Write briefly about canonical explanatory literature.

अथवा / OR

आचारांग और षट्खण्डागम की विषय वस्तु पर प्रकाश डालें।

Describe the subject matter of Acharang and Sathkhandagama.

प्र. 5. आचार्य समन्तभद्र के जैन दार्शनिक साहित्य को योगदान का वर्णन करें।

Explain the contribution of Acarya Samantabhadara to Jain Philosophical literature.

अथवा / OR

जैन योग साहित्य पर निबन्ध लिखें।

Write an essay of Jain Yoga Literature.

♦♦♦

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

द्वितीय पत्र : जैन तत्त्व मीमांसा एवं आचार मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन एवं वैशेषिक दर्शन के अनुसार द्रव्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए?

Throw light on the nature of Dravya according to Jain and Vaisesika Philosophy.

अथवा / OR

अभेदवाद को स्पष्ट करते हुए गुण एवं पर्याय को समझाइये?

Explaining the Abhedavada and describe the quality and mode.

प्र. 2. लोक के स्वरूप का गणितीय विवेचन कीजिए?

Describe the mathematical detail of the nature of Loka.

अथवा / OR

विभिन्न दर्शनों में आत्मा के स्वरूप पर प्रकाश डालिए?

Throw the light on the nature of soul in different philosophy.

प्र. 3. भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन के अनुसार आकाश और दिक् के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ?

Explain the nature of Space (Akash) and Direction, according to

Indian and Western Philosophy.

अथवा / OR

षड्जीवनिकाय पर निबन्ध लिखिए ?

Write an essay on Sadjivanikaya.

प्र. 4. संघ व्यवस्था से आप क्या समझते हैं? विस्तार से लिखिए।

What do you mean by Sanghvyavastha, write in detail.

अथवा / OR

आचार को परिभाषित करते हुए श्रमणाचार को विस्तार से लिखिए।

Defining the code of conduct, write the code of conduct of monk and nuns in detail.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणियाँ लिखिये–

Write short notes on any four of the following :

(i) काल /Concept of Time

(ii) करुणा /Compassion

(iii) षडावश्यक / Sadavashyaka

(iv) नवतत्त्व /Nine Tattvas

(v) सल्लेखना / Sallekhana

(vi) पुद्गलास्तिकाय / Pudgalastikaya

♦♦♦

अथवा / OR

दस पलिबोध एवं चर्या के स्वरूप तथा प्रकारों को स्पष्ट करें।

Explain the nature and kinds of Ten impediments and life-style.

प्र. 4. जैन कर्म सिद्धान्त की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बन्ध की प्रक्रिया को समझाइए।

Explain the features of Jain Karma Theory Elucidate the process of Bondage.

अथवा / OR

कर्म के भौतिक स्वरूप एवं अन्य दर्शनों के विचार पर प्रकाश डालिये।

Explain the material nature of karma and views of other philosophies.

प्र. 5. कर्म सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में आध्यात्मिक साधना के महत्व को स्पष्ट करें।

Explain the importance of Spiritual Sadhana in the context of Karma Doctrine.

अथवा / OR

कर्मवाद एवं पुनर्जन्म पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Karmavada and Rebirth.

♦♦♦

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

तृतीय पत्र : ध्यान योग एवं कर्म मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे | पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन योग के स्वरूप की विस्तृत समीक्षा कीजिये।

Examine in detail the nature of Jain Yoga.

अथवा / OR

धर्म ध्यान एवं शुक्ल ध्यान के स्वरूप का विवेचन कीजिये।

Describe the nature of Dharma dhyana (Righteous Meditation) and Sukla dhyana (Pure Meditation).

प्र. 2. प्रेक्षाध्यान के आगमिक स्रोतों पर एक निबन्ध लिखिये।

Write an essay on Canonical (Agamic) sources of Prekshadhyana.

अथवा / OR

सर्वार्थ सिद्धि के आधार पर अनुप्रेक्षाओं का विवेचन करें।

Explain Anuprekshas according to Sarvartha Sidhi.

प्र. 3. अष्टांग योग का विवेचन किजिये।

Explain the Ashtanga (Eight-fold) Yoga.

प्र. 3. मनःपर्यय ज्ञान के स्वरूप तथा उसकी ज्ञान प्रक्रिया पर प्रकाश डालें। यह भी बताएं कि अवधिज्ञान व मनःपर्यव ज्ञान में क्या अन्तर है?

Throw light on the nature and knowing process of Manhparyaya Jnan. What is the distinction between Awadhi and Manahparyaya?

अथवा / OR

केवली में ज्ञान व दर्शन की उत्पत्ति के सम्बन्ध में आचार्य सिद्धसेन के विचार को स्पष्ट करें।

Explain the opinion of Acharya Siddhasena with regards to the occurence of Jnan and Darshan in omniscient.

प्र. 4. भारतीय न्याय के क्षेत्र में जैन आचार्यों के योगदान का मूल्यांकन करें।

Evaluate the contribution of Jain acaryas ism in the field of Indian Logic.

अथवा / OR

सांव्यवहारिक प्रत्यक्ष की अवधारणा को स्पष्ट करें।

Elucidate the concept of Samvyavaharika Pratyaksha.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Write short notes on any four of the following :

(क) तर्क / Tarka

(ख) परोक्ष प्रमाण / Proksha Pramana

(ग) व्याप्ति / Vyapti

(घ) आगम/ Agama

(ङ) कार्यहेतु / Karya Hetu

(च) साधर्म्यदृष्टान्त / Sadharmya Dristanta

(छ) वैधर्म्य दृष्टान्त / Vaidharmya Dristanta

♦♦♦

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

चतुर्थ पत्र : जैन ज्ञान मीमांसा एवं जैन न्याय

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन आगमों में की गई ज्ञान-चर्चा का मूल्यांकन करें।

Evaluate the discussion made in Jain Agamas about knowledge.

अथवा / OR

दर्शन व ज्ञान के स्वरूप और उनके परस्पर सम्बन्ध में जैन मत का निरूपण करें।

Explain the Jain concept of Darshan and Jnan and their inter-relationship.

प्र. 2. (औत्पत्तिकी आदि) चार प्रकार की बुद्धियों का संक्षेप में निरूपण करें।

Describe briefly the four kinds of Buddhis (Autpattiki etc.)

अथवा / OR

अंगप्रविष्ट व अंगबाह्य आगम के स्वरूप को स्पष्ट करें। यह भी स्पष्ट करें कि किनकी रचनाएं 'आगम' के रूप में मान्य होती हैं?

Elucidate the concept of Anga-pravista & Anga-Bahya (Anangapravista) Canons. Whose works are regarded as authentic scriptures ?

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

पंचम पत्र : जैन आगम

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. आचारांग में प्रतिपादित स्थावर जीवों का निरूपण कीजिए।

Ascertain the immobile beings as depicted in Acaranga.

अथवा / OR

आचारांग की विषय-वस्तु पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the main themes of Acaranga.

प्र. 2. सूत्रकृतांगसूत्र के स्वपक्ष और परपक्ष का निरूपण करते हुए किन्हीं चार वादों को समझाइए।

Explain any four Vada (discourses) explained in Sutrakritanga Sutra.

अथवा / OR

संसार का कारण लिखकर उसके छोड़ने के उपायों का कथन कीजिए।

Explain the cause of world and means to release from it.

प्र. 3. पुद्गल का स्वरूप लिखकर विश्व पर प्रकाश डालिए।

Write the nature of pudgala (matta) and explain the strata of cosmos.

अथवा / OR

भगवतीसूत्र में प्रतिपादित कर्मवेदना और निर्जरा का स्पष्टीकरण कीजिए।

Explain karmavedana and Nirjara as in Bhagavati.

प्र. 4. उत्तराध्ययन के विनयसूत्र में गुरु और शिष्य के सम्बन्ध को किन-किन उदाहरणों द्वारा समझाया गया।

In vinaya sutra of uttardhyayana by which examples relation of Teacher and disciple is explained.

अथवा / OR

दशवैकालिक की प्रथम गाथा के आधार पर धर्मस्वरूप और उसकी विशेषताओं को समझाइये।

Explain the nature of Dharma and its specific features on the basis of Dasavaikalika.

प्र. 5. समय के अर्थ को स्पष्ट करते हुए आत्म स्वरूप के विविध पक्षों को स्पष्ट कीजिए।

Clarify the meaning of 'Samaya' and explain the various aspects of the soul.

अथवा / OR

समयसार के जीवाधिकार पर प्रकाश डालिए।

Explain the first chapter (Jivadhikara) of the Samayasara.

♦♦♦

Establish the theory of Anekantvad of Jainism with Pros and Cons.

अथवा / OR

स्याद्वाद सिद्धान्त क्या है? उसमे सप्तभंगवाद की क्या उपयोगिता है?

What is syadvad? What is the importance of saptbhangvad in it?

प्र. 4. द्रव्यार्थिक और पर्यायार्थिक नयों को विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

Explain in detail - Dravyarthic and Paryayarthic Naya.

अथवा / OR

जैन दर्शन में प्रमेय का स्वरूप कैसा स्वीकार किया गया है? समझाइये।

What is Prameya? Explain according to Jain Darshan.

प्र. 5. 'निक्षेप' किसे कहते हैं? वे कितने हैं सभी निक्षेपों का स्वरूप सोदाहरण समझाइये।

What is 'Nikshepa' ? Describe the structure of all Nikshepas with examples.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए–

Write short notes on any two of the following :

(क) द्रव्य–क्षेत्र–काल–भाव / Dravya-Kshetra-Kala-Bhava.

(ख) उत्पाद–व्यय–ध्रौव्य / Utpada-Vayaya-Dhravya.

(ग) सामान्य / Universal.

♦♦♦

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

षष्ठ पत्र : अनेकान्त, नय, निक्षेप और स्याद्वाद

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन दर्शन की नय–व्यवस्था विषय पर एक सारगर्भित निबन्ध लिखिए।

Write an essay in detail on Naya-concept according to Jain-Philosophy.

अथवा / OR

आचार्य सिद्धसेन के व्यक्तित्व–कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

Enlight the Acharya Siddhsena and his works.

प्र. 2. जीव–पुद्गल के सम्बन्ध पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on relation of soul and matter.

अथवा / OR

प्रत्येक वस्तु प्रतिसमय सामान्य–विशेषात्मक है– कैसे? सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

Everything has two dimensions at a time-general and specific explain with examples.

प्र. 3. जैनदर्शन के 'अनेकान्तवाद' को ऊहापोहपूर्वक स्थापित कीजिए।

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

सप्तम पत्र : जैन धर्म-दर्शन और भारतीय धर्म-दर्शन

समय : 3.00 घण्टे | पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. मोक्ष विषयक जैन अवधारणा को स्पष्ट कीजिए तथा उसकी अन्य भारतीय दर्शनों में प्रतिपादित मोक्ष के स्वरूप के साथ तुलना कीजिए।

Explain the Jaina conception of Moksa and Compare it with that of other Indian Schools.

अथवा / OR

जैन एवं सांख्य सम्मत पुद्गल के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

Discuss the nature of pudgala according to Jaina and Samkhya Philosophies.

प्र. 2. जैन एवं बौद्ध धर्मों में अहिंसा के स्वरूप तथा महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the nature and importance of ahimsa in Jainism and Buddhism.

अथवा / OR

जैन धर्म, बौद्ध धर्म एवं पुराणों के अनुसार तप का विवेचन कीजिए।

Discuss Tapas according to Jainism, Buddhism and Puranas.

प्र. 3. जैन, बौद्ध तथा वेदान्त दर्शन के आधार पर अविद्या पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on avidya on the basis of Jaina, Buddhist and Vedanta Systems.

अथवा / OR

जैन कर्म सिद्धान्त का निरूपण कीजिए।

Discuss the Jaina doctrine of Karman.

प्र. 4. अनेकान्त विषयक जैन सिद्धान्त का विवेचन कीजिए तथा इस पर अन्य दर्शनों के विचार स्पष्ट कीजिए।

Discuss the Jaina theory of Anekanta and present the standpoints of other philosophies on it.

अथवा / OR

जैन दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष प्रमाण के भेदों का वर्णन कीजिए।

Give an account of the varieties of pratyksa pramana according to Jain philosophy.

प्र. 5. निम्नांकित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए–

Write short notes on any two of the following :

(1) प्रेक्षाध्यान
Preksha Dhyana

(2) शुक्ल ध्यान
Sukla Dhyana

(3) योगदर्शन में ध्यान
Dhyana in Yoga darsana

(4) ज्ञान योग
Jnanayoga

♦♦♦

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा - २०१०

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

अष्टम पत्र : जैन धर्म-दर्शन और भारतीयेतर धर्म-दर्शन

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन दर्शन की द्रव्य की अवधारणा तथा अरस्तु की द्रव्य और आकार की अवधारणा में तुलना कीजिये।

Compare the Jain concept of substance with Aristotale's concepts of matter and form.

अथवा / OR

जैन द्वैतवाद और देकार्तीय द्वैतवाद का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिये।

Give a comparative analysis of Jain dualism and Descartes dualism.

प्र. 2. जैन दर्शन की देश और काल की अवधारणा तथा लाइबनीज की देश और काल की अवधारणा का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

Do a comparative study between Jain concepts of space and time and Leibniz's concept of space and time.

अथवा / OR

जैन दर्शन और काण्ट के आत्मा सम्बन्धी विचारों का तुलनात्मक विवेचन कीजिये।

Comparatively discuss Jain and Kant's views on self.

प्र. 3. जैन दर्शन और काण्ट के कारणता सिद्धान्त की तुलना कीजिये।

Compare Jains and Kants theory of Causations.

अथवा / OR

जैन दर्शन और वर्कले के जगत सम्बन्धी विचारों का तुलनात्मक अध्ययन कीजिये।

Give a comparative study between Jan and Berkeley's views related world.

प्र. 4. जैन और इसाई धर्म के मोक्षमार्ग सम्बन्धी विचारों का तुलनात्मक अध्ययन कीजिये।

Give a comparative analysis between Jain and christian views related the path of liberation.

अथवा / OR

जैन नीतिशास्त्र और कन्फ्यूशियस के नैतिक विचारों के मध्य तुलना कीजिये।

Compare between Jain ethics and moral views of confucious.

प्र. 5. क्या अपरिग्रह वर्तमान आर्थिक समस्याओं का समाधान हो सकता है? युक्तियों सहित अपना उत्तर दीजिये।

Can non-possession be a solution of current economic problems? Give your answer with arguments.

अथवा / OR

पर्यावरण सुरक्षा और अहिंसात्मक जीवन शैली पर एक लेख लिखिए।

Write an essay on saving environment and non-violent way of life.

♦♦♦